

एनसीआर में विकसित की जाएंगी चार नमो सिटी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के दायरे में आने वाले शहरों में दबाव से निपटने के लिए क्षेत्र में चार नए ग्रीन फील्ड सिटी बनाने का निर्णय लिया गया है। जिन्हें नमो सिटी नाम दिया गया है। प्रस्तावित नए शहरों का निर्माण आरआरटीएस (रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम) के आसपास किया जाएगा। इस दौरान प्रत्येक शहर के विकास के लिए अगले पांच वर्षों में पांच-पांच हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन शहरों के निर्माण में पर्यावरण मानकों का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल की अगुआई में मंगलवार को हुई एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की बैठक में यह सहमति बनी है। केंद्रीय मंत्री ने बोर्ड की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि एनसीआर में आने वाले चारों राज्यों यानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा एवं राजस्थान से इसे लेकर प्रस्ताव मांगे गए हैं। नए शहरों का चयन प्रतिस्पर्धा के जरिये किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एनसीआर की आबादी अभी 7.5 करोड़ है और अगले 15 वर्षों में इसके 15 करोड़ होने की उम्मीद है। 2031 तक शहरी

ग्रीन फील्ड परियोजना

- केंद्रीय शहरी विकास मंत्री की अध्यक्षता में हुई एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की बैठक में लिया गया फैसला
- अगले पांच वर्षों में इन नए शहरों के विकास के लिए दिए जाएंगे पांच-पांच हजार करोड़ रुपये

कानपुर-लखनऊ समेत नौ काउंटर मैग्नेट एरिया

अधिकारियों ने बताया कि बोर्ड ने आसपास के छह राज्यों में नौ काउंटर मैग्नेट एरिया (सीएमए) की भी पहचान की है। ये क्षेत्र हैं- हिसार, अंबाला, कोटा, जयपुर, पटियाला-राजपुरा, कानपुर-लखनऊ, बरेली, ग्वालियर और देहरादून। सीएमए ऐसे शहरी केंद्र होते हैं जो भीड़भाड़ वाले मेट्रोपालिटन क्षेत्रों के बाहर होते हैं और इन्हें माइग्रेशन और आर्थिक दबाव को झेलने के लिए बनाया गया है।

आबादी लगभग 57 प्रतिशत और 2041 तक लगभग 67 प्रतिशत हो जाएगी। मनोहर लाल ने कहा कि दो महीने बाद एक और बैठक होगी, जिसमें इसकी घोषणा की जाएगी।